# 4 बिल्ली का पंजा

एक गाँव था। नाम था उसका कंचनपुर। वह गंगा के किनारे बसा था। गाँव में अनेक तरह के काम-धाम करने वाले लोग रहते थे। वहीं चार व्यापारी भी रहते थे। चारों गहरे मित्र थे। चारों में से एक का नाम गंगाधर था। दूसरे का नाम लीलाधर था। तीसरे का मुकेश और चौथे का नाम संजय था। चारों रूई का व्यापार करते थे।

एक बार उनके गोदाम में बहुत से चूहे रहने लगे। चूहे रोज़-रोज़ रूई को खराब करने लगे। तब चारों मित्रों ने मिलकर सलाह की।

गंगाधर बोला - "मित्रो! चूहे बहुत तंग करते हैं।

मुकेश बोला - "चूहों को पकड़ना चाहिए। इसके लिए कुछ पिंजरे खरीद लो।"

तभी लीलाधर ने कहा - "गोदाम में चूहे मारने की दवा रख देनी चाहिए।"

आखिर में संजय बोला - " भाइयो! मेरी मानो तो एक बिल्ली पाल लो। वह चूहों को खाती रहेगी। हमें बार-बार कुछ खरीदना भी नहीं पड़ेगा।"

संजय की बात सबको ठीक लगी।

© BSTBC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

बस उन्होंने एक बिल्ली पाल ली। बिल्ली साझे की थी। चारों ने उसका एक-एक पंजा ले लिया। गंगाधर ने आगे का दायाँ पंजा लिया। लीलाधर ने आगे का बायाँ पंजा लिया। मुकेश ने पीछे का

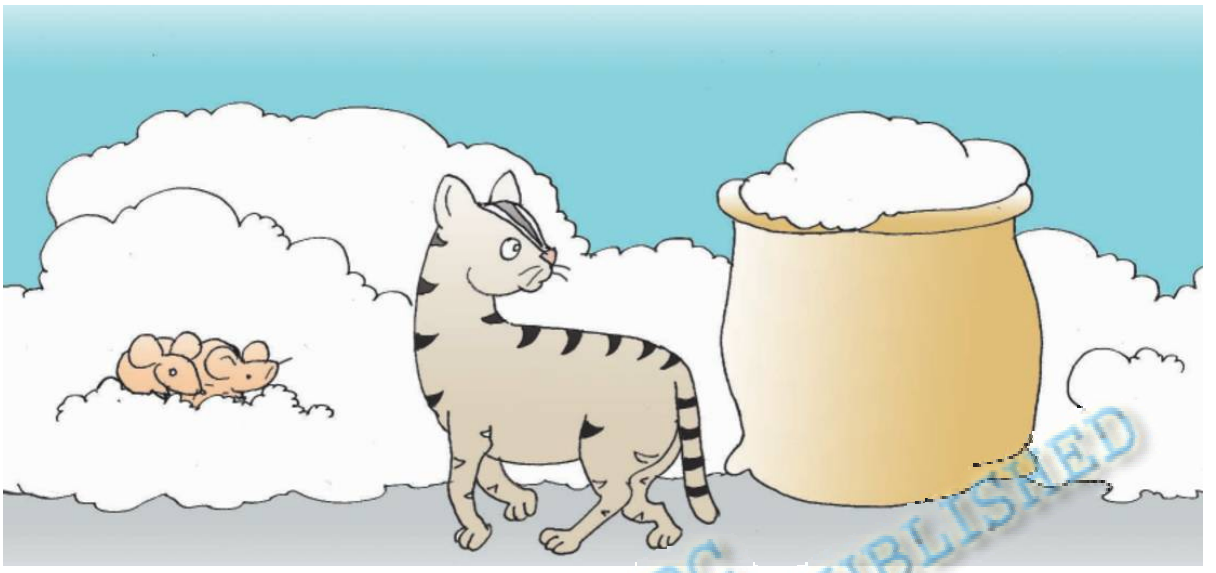

दायाँ तथा संजय ने पीछे का बायाँ पंजा लिया। सब अपने अपने पंजों की देखभाल करने लगे।

अब बिल्ली गोदाम में रहने लगी थी। चूहों में कमी आने लगी थी। चारों मित्र खुश थे। तभी बिल्ली के आगे वाले दाएँ पंजे में खान हो गई। वह पंजा गंगाधर का था। गंगाधर ने घासलेट का तेल लिया। थोड़ी रूई भी ली। रूई को घासलेट के तेल में भिगोया और पट्टी बनाकर पंजा पर बाँध दिया। गंगाधर ने सोचा इससे खान ठीक हो जाएगी।

रात में बिल्ली एक चूहे के पीछे भागी। पास ही एक दीपक जल रहा था। चूहा दीपक के पास

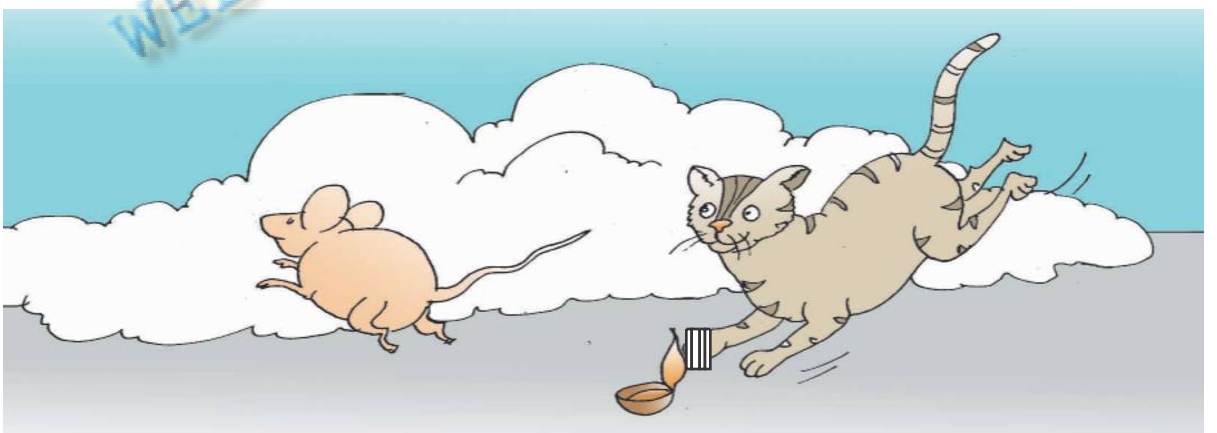

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

से भागा। बिल्ली भी पीछे भागी। तभी बिल्ली का पंजा दीपक की लौ से छू गया। पंजे में आग लग गई।

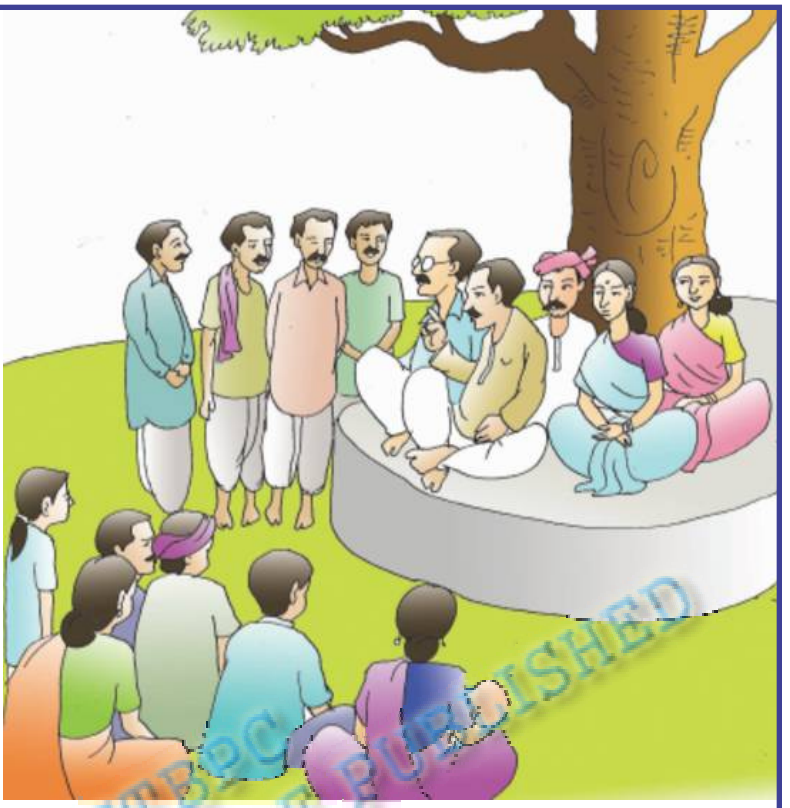



बिल्ली बचने के लिए इधर-उधर भागने लगी। भागम-भाग में गोदाम में आग लग गई। बिल्ली घबराकर बाहर भागी। उसे गंगाधर ने बचा लिया। पर गोदाम की सारी रूई जल गई।

गंगाधर, लीलाधर, मुकेश और संजय आपस में झगड़ने लगे। वे एक दूसरे को दोष देने लगे। आखिर में लीलाधर, मुकेश और संजय एक तरफ हो गए। वे कहने लगे गंगाधर के पंजे से आग लगी है इसलिए गंगाधर ही दोषी है। सारा नुकसान उसे ही भरना चाहिए।

पर गंगाधर नहीं माना।

चारों लड़ते-झगड़ते पंचायत में पहुँचे। पंचों ने सब की बात सुनी। फिर फैसला सुनाया - गंगाधर के पंजे में आग लगी। पर वह पंजा अकेला तो भाग नहीं सकता था। बाकी तीनों पंजे उसे लेकर भागे। ये तीनों पंजे भागते नहीं तो आग भी नहीं लगती। ये भागने वाले पंजे तो लीलाधर, मुकेश और संजय के थे। इसलिए नुकसान की भरपाई भी ये तीनों ही करेंगे। गंगाधर को नुकसान की भरपाई नहीं करनी है।

फैसले से गंगाधर बहुत खुश था।

-साभार 'दिगन्तर' (राजस्थान)

© RSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

**शब्दार्थ**

**व्यापारी** - व्यवसाय (बिजनेस) करने वाला
**खाज** - खुजली जैसी बीमारी
**घासलेट** - मिट्‌टी तेल, किरासन तेल
**दीपक** - दीया
**नुकसान** - घाटा, हानि ।

# अभ्यास

## कहानी में से

1. चारों मित्रों ने बिल्ली क्यों पाली?
2. चारों मित्र पंचायत में क्यों पहुँचे?
3. तीनों मित्रों को नुकसान की भरपाई क्यों करनी पड़ी?

## आपके विचार से

1. आपके विचार से पंचायत ने सही फैसला किया या गलत? अपने उत्तर के कारण भी बताइए।
2. क्या चारों ने चूहों की समस्या का सही हल सोचा था?अपने उत्तर के कारण भी बताइए।
3. अगर आप उन चारों के साथ होते तो चूहों से छुटकारा पाने के लिए क्या उपाय करते?

## व्यापार

### चारों मित्र रूई का व्यापार करते थे।

1. व्यापार क्या होता है?
2. व्यापार करने वाले को क्या कहते हैं?
3. आपके मोहल्ले या गाँव में भी अनेक लोग व्यापार करते होंगे? वे कौन-कौन से व्यापार करते हैं?

## लड़ाई के कारण

1. चारों बहुत पुराने और गहरे मित्र थे। फिर उनमें इतनी जल्दी लड़ाई क्यों हो गई?आपस में बातचीत करके पता लगाइए।
2. आपकी अपने मित्रों से किन बातों पर अनबन होती है? फिर सुलह कैसे होती है?

   इस कहानी में कोई एक व्यक्ति या वस्तु हटा दें ताकि चारों मित्रों में लड़ाई न हो।

## घर के प्राणी

1. घर में रहने वाले वैसे जीव-जन्तुओं की सूची बनाएँ जिनसे आप छुटकारा पाना चाहते हैं?
2. उनसे छुटकारा पाने के लिए वे क्या करते हैं?

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED

## रूई

1. रूई किस-किस काम में आती है?
2. क्या आप धुनिया के बारे में जानते हैं? वे क्या काम करते हैं? क्या उनकी जगह किसी और ने ले ली है?

## भाषा की बात

1. रूई शब्द में 'र' के साथ 'ऊ' की मात्रा लगी है। कभी-कभी 'र' के साथ 'उ' की मात्रा भी लगाई जाती है। दोनों मात्राओं की आवाज़ और लिखने के तरीके में अंतर होता है। कई बार जल्दबाजी में हमारा ध्यान इस अंतर पर नहीं जा पाता।

2. **नीचे लिखे शब्दों में 'उ' या 'ऊ' की मात्रा लगाइए -**

   र + उ = रु   पुरुष

   र + ऊ = रू   रूई

   र + पया   र स्तम   बारद

   शुर   मार   अमरद   गुर

   जरर   तर

3. **चूहे-बिल्ली पर लिखी कविता को पूरा करें।**

   आगे-चूहा पीछे बिल्ली

   उड़ा रही थी उसकी खिल्ली

   ……………………………………

   ……………………………………

   ……………………………………

   ……………………………………

❖

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED